Times of India 05-07-2016

Need for change in production process

TIMES NEWS NETWORK

TOI

Malcom Topfer said that there are no sugar mills in the UK but raw sugar is purchased and refined before being sold there

Kanpur: Sugar experts from countries US, UK and Australia on the eve of the international symposium at premier National Sugar Institute (NSI) emphasized on the fact that Indian sugar producers need to change their production methodology to compete with international markets.

The scientists along with the scientists and sugar experts of NSI said, "While India produces sugar from sulphitation process, the global market trades in the raw and refined qualities of sugar. The need of the hour is that Indian sugar mills produce raw and refined sugar varieties to compete in the global market."

The expert team including Malcom Topfer, Director of Sugar Knowledge International Limited in UK, Michael Saska, ex-professor, Audobon Sugar Institute, University of Louisiana in US, Dr Jan Zhang from Queensland University of Technology in Brisbane and A Chudasama, editor of International Sugar Journal in UK deliberated that the need of the hour is that the refined sugar be produced as the buyers for the same were increasing in the global market.

Malcom Topfer said that there are no sugar mills in the UK but raw sugar is purchased and refined before being sold there. He said that refined sugar is better in quality than the sugar produced from sulphitation process.

Prof Narendra Mohan, Director, NSI, informed that sugar produced from sulphitation by the Indian sugar mills is inferior in quality than the refined sugar. "Sugar should be branded and sold in packets just like salt is available as a packaged item."

राष्ट्रीय सहारा 05-07-2016

'बाई प्रोडक्ट बढ़ाने से सुधरेगी चीनी मिलों की सेहत'

■ कानपुर।

चीनी मिलो की आर्थिक सेहत में सुधार के लिए सहायक उत्पादों (बाई प्रोडक्ट) को बढ़ावा देना ही एक मात्र उपाय है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में शनिवार का आयोजित एक सेमिनार के सिलसिले में यहां आये विदेशी चीनी उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि दुनिया भर में चीनी उद्योग को मुनाफे में चलाना एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों की आर्थिक हालात में सुधार के लिए एथेनॉल, बिजली व अन्य सहयोगी उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी होगा।

सेमिनार के सिलसिले में कानपुर आये चीनी उद्योग से जुड़े अंतरराष्ट्रीय

एनएसआई पहुंचे कई विदेशी शुगर इंडस्ट्रीज एक्सपर्ट्स

विशेषज्ञ एनएसआई के निदेशक डॉ.नरेन्द्र मोहन के साथ पत्रकारों से मिले। इसके बाद नरेन्द्र मोहन ने उन्हें संस्थान का दौरा कराया व उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। एनएसआई आये विदेश चीनी उद्योग विशेषज्ञों में शुगर इंटरनेशनल लि.यूके के मैल्कम टाफर, क्वींसलैंड तकनीकी विवि आस्ट्रेलिया के रिसर्च फेलो डॉ.जान झांग, आडोवन शुगर इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी आफ लुसियाना यूएसए व इंटरनेशल शुगर जनरल, लंदन (यूके) के एडिटर ए चूडास्मा शामिल हैं। 'अपॉच्यूनिटीज एंड चैलेंजेज फ्रॉम द इमरजिंग बायो इकोनामी फॉर द शुगर सेक्टर' विषय पर एनएसआई में शनिवार को आयोजित सेमिनार में उक्त विदेशी विशेषज्ञों के साथ ही देश के चीनी उद्योग से जुड़े तकनीशियन व प्रबंधकीय अधिकारी भी भाग लेंगे।